29th Year
September 2025
ISSN 2455-8125
Included in Limca & India Book of Records

CARTOON WATCH®

Rs. 30/-
THE ONLY MONTHLY CARTOON MAGAZINE OF INDIA COMPLETED 28 YEARS...
Longest - Running Cartoon Magazine of India...

Supported by
Chhattisgarh
Chhattisgarh Tourism Board

Cartoon Festival 2025
12 September 2025, RAIPUR
at Courtyard by Marriott

Outdoor Partner
RAGHAV Advertising

Website : www.cartoonwatchindia.com
Email : cartoonwatch@gmail.com

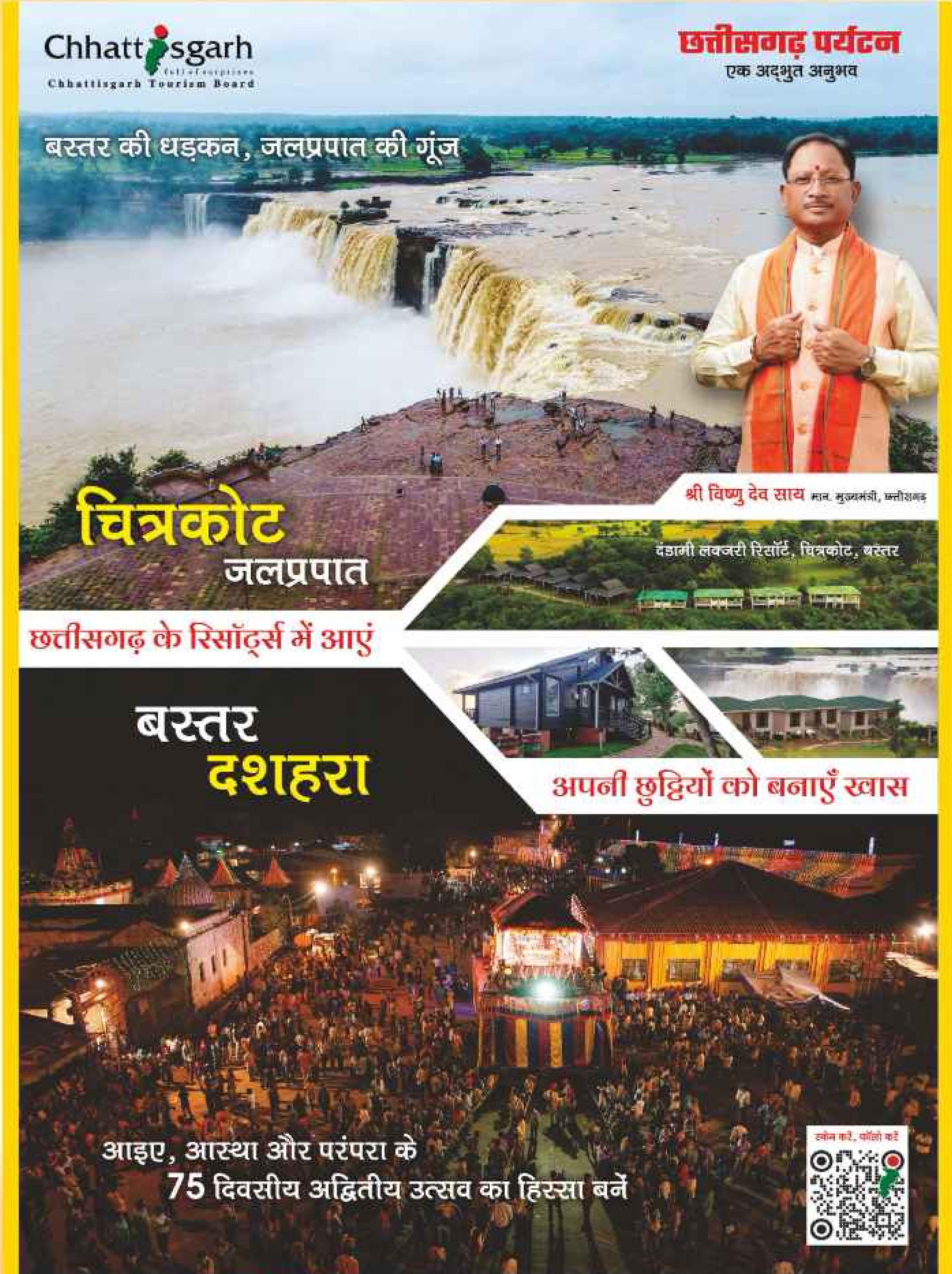
Chhattisgarh
full of surprises
Chhattisgarh Tourism Board
छत्तीसगढ़ पर्यटन
एक अद्भुत अनुभव
बस्तर की धड़कन, जलप्रपात की गूंज
श्री विष्णु देव साय मान. मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़
चित्रकोट
जलप्रपात
दंडामी लक्जरी रिसॉर्ट, चित्रकोट, बस्तर
छत्तीसगढ़ के रिसॉर्ट्स में आएं
बस्तर
दशहरा
अपनी छुट्टियों को बनाएँ खास
आइए, आस्था और परंपरा के
75 दिवसीय अद्वितीय उत्सव का हिस्सा बनें
स्कैन करें, फॉलो करें
बुकिंग हेतु कॉल करें टोल फ्री नं.: 1800 102 6415 | वेबसाईट : https://tourism.cgstate.gov.in | फॉलो करें : #GoChhattisgarh

Cartoon Watch

The only Monthly cartoon magazine of India

Year - 29

Issue - 10

September - 2025

Cartoon of the Month

By -
Manoj Chopra

Editor
TRIAMBAK SHARMA
98261-53840

Founder Editor
Mrityunjay Sharma

Associate Cartoonists:-
U.P. - Rajeev sharma, Shyam Jagota.
Maharashtra - Abid Surti, Suresh Sawant, Prashant Kulkarni, Satish Acharya, James Manalody, Prabhakar Wairkar, Sukhwant Kalsi, Prabhakar Jhalke, Alok Sharma, K.G. Ojha, Hrushikesh Khandekar,Ravi Bhagwat.
Delhi - H.M. Sudan, Hussain Zamin, Rajendra Dhodapkar, Ashish Agrawal
Karnataka - B.V. Panduranga Rao, Raghupati Sringeri
Madhya Pradesh - Devendra Sharma, Hariom Tiwari, Ismail Lahari, Kirtish Bhatt, Rajesh Dubey, Prathvi Chouhan, Irshad Kaptan, Manoj Sharma
Rajasthan - Abhishek Tiwari, Chandrashekhar Hada, Shekhar Hada, Pankaj Goswami, Mastan Singh
Bihar - pawan
Uttar Pradesh - Faizan Mausana, Shyam Jagota, Parmatma Shrivastav, Vinay Kull, Aseem Trivedi
Kerala - Kerala Cartoon Academy, Hari Kumar
Telangana - Subhani, Syam Mohan, K.N. Das, Bimbadhar Mishra
Chhattisgarh - S.R. Tailang, Ajay Saxena, Sagar, Dhanesh Diwakar, Bhagwat Sahu, Mohan Tiwari, Dr. Jayesh Kawadia
Haryana - Monica Gupta
Orissa - Aswini - Abani
J&K - Shekar, Manoj Chopra
Uttarakhand - Devendra Ojha
USA - Ashok Lall

Editorial Office
Arti Sharma
Jr. MIG - 162, Sec - 3,
Pt. D.D.U. Nagar, Raipur
Phone/Fax : 0771- 4043840
Cell : 98261-53840, 98267-03840

Registered Office
Rahul Sharma
345, Samta Colony
Raipur, 492 001 (C.G.)
Administration Office
12-A, St - 3, Sec - 2, Bhilai
Ph : 0788-2223840, 93290-25969

Cover Page Cartoon by: Manoj Chopra

Designed by : Cactus

For online Subscription Kindly Deposit
Rs. 300 for 1 Year
Rs 5,000 for 10 Years
Rs 10,000 for Life Time Member

In the name of Cartoon Watch IDBI Bank, Civil Lines, Raipur
A/c No. 049102000044183 IFSC Code : IBKL 0000049
and E-mail your postal address at cartoonwatch@gmail.com

©Cartoon Watch

मुद्रक, प्रकाशक तथा स्वामी त्र्यंबक शर्मा द्वारा महावीर ऑफसेट रायपुर से मुद्रित एवं 345 समता कॉलोनी रायपुर से प्रकाशित, संपादक त्र्यंबक शर्मा **RNI NO. 70235/98 Postal Regd. No. C.G./Durg/17/2024-26** कार्टून वॉच का प्रकाशन लोगों को हंसाने और जगाने के लिए किया जाता है. यदि किसी को कोई बात बुरी लगे तो क्षमाप्रार्थी हैं. प्रकाशित कार्टूनों और लेखों से सम्पादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है.

Toons by Manoj Chopra

राज्य के 25 वर्ष और कार्टून वॉच का 30 वें वर्ष में प्रवेश

त्रयम्बक शर्मा
संपादक

1 नवंबर 2000 को छ.ग. राज्य का गठन हुआ था और आने वाले दो महीने में यह राज्य अपना 25 वर्ष पूरा कर लेगा. कार्टून वॉच पत्रिका का प्रकाशन दिसम्बर 1996 में प्रारंभ हुआ था और आने वाले दो महीने में यह पत्रिका अपने 30 वें वर्ष में प्रवेश कर लेगी. आज पूरे देश में हमारा राज्य कार्टून की पत्रिका के अनवरत प्रकाशन और यहां होने वाले कार्टून फेस्टीवल के लिये जाना जाता है. इस प्रदेश के सर्वाधिक मुख्यमंत्रियों ने देश के अनेक ख्यातिनाम कार्टूनिस्टों का सम्मान किया है. ऐसा किसी भी प्रदेश में ना तो हुआ है और ना ही संभव है.

इस वर्ष कार्टून फेस्टीवल 12 सितम्बर 2025 को रायपुर के होटल कोर्टयार्ड बॉय मेरियट में आयोजित किया गया जिसमें मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय और उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा शामिल हुये. इस बार जम्मू के कार्टूनिस्ट श्री मनोज चोपड़ा को कार्टून वॉच का जीवन गौरव पुरस्कार जिसे अंग्रेजी में लाईफ टाईम एचीवमेंट अवार्ड कहते हैं प्रदान किया गया. अतिथि वक्ता के रुप में हरिभूमि आईएनएच के सम्पादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी और अभिनेता से नेता और विधायक बने पद्मश्री अनुज शर्मा विशेष अतिथि के रुप में शामिल हुये. कार्यक्रम का कुशल संचालन श्रीमती आरती शर्मा और सुश्री अंजली शर्मा ने किया.

कार्यक्रम की शुरुआत करते हुये मैंने कार्टून फेस्टीवल का इतिहास रोचक ढंग से डाटा के आधार पर सुनाया जिससे सभी अतिथि और गणमान्य लोग हंस पड़े. मैंने कहा कि इतिहास के अनुसार 2003 में हमने पहला कार्टून फेस्टीवल आयोजित किया था जिसमें मुख्य अतिथि के रुप में तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री अजीत जोगी शामिल हुये थे. जोगी जी एक बार कार्टून फेस्टीवल में आये और उसके बाद उनकी सरकार नहीं आई. इसके बाद मैंने जो पॉस लिया तो सभी हंस पड़े. मैंने आगे कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह कार्टून फेस्टीवल में बार बार आये तो वे सरकार में तीन बार आये. इसके बाद मैंने कहा कि पिछली सरकार के मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल, पिछले पांच साल में हमारे कार्यक्रम में एक बार भी नहीं आये तो सब फिर हंस पड़े. मैंने कहा कि पिछले साल श्री साय हमारे कार्यक्रम में आये थे और यह उनका दूसरी बार आना हुआ है अतः वे अब सेफ जोन में हैं क्योंकि प्राप्त डाटा के अनुसार जो मुख्यमंत्री सिर्फ एक बार हमारे कार्यक्रम में आया वह दोबारा सरकार में नहीं आया और जो एक बार भी नहीं आया वो भी दुबारा सरकार में नहीं आया. इस बार पूरा हॉल ठहाकों से गूंज उठा, जब मैंने मुख्यमंत्री जी की ओर मुखातिब होकर कहा कि आगे आपको सोचना है. उपलब्ध प्रमाण और सांख्यिकी के आधार पर जो मुख्यमंत्री कार्टून फेस्टीवल में बार बार आता है वो सरकार में भी बार बार आता है. आपको इस पल का आनंद लेना है तो आप हमारे यूट्यूब चैनल के शार्ट्स में जाकर वीडियो देख सकते हैं.

हमारे राज्य से नक्सल समस्या की समाप्ति की तारीख शासन द्वारा निर्धारित कर दी गई है जो 31 मार्च 2026 है. डॉ.हिमांशु द्विवेदी ने अपने उद्बोधन में प्रस्तावित किया कि चूंकि अगले साल नक्सल समस्या समाप्त हो जायेगी और पूरे देश का ध्यान छ.ग. के बस्तर पर होगा इसलिये अगला कार्टून फेस्टिवल बस्तर में किया जाना चाहिये. इस प्रस्ताव पर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा जो गृह मंत्री भी हैं ने और मुख्यमंत्री जी ने भी अपनी मुहर लगा दी. इस तरह अगले साल कार्टून फेस्टिवल कहां होगा यह निश्चित हो गया है.

इस अंक में आप कार्टूनिस्ट मनोज चोपड़ा के बहुत से कार्टून देख सकेंगे और श्री चोपड़ा ने क्या कहा यह सुनने के लिये आपको हमारे यूट्यूब चैनल में जाना होगा.

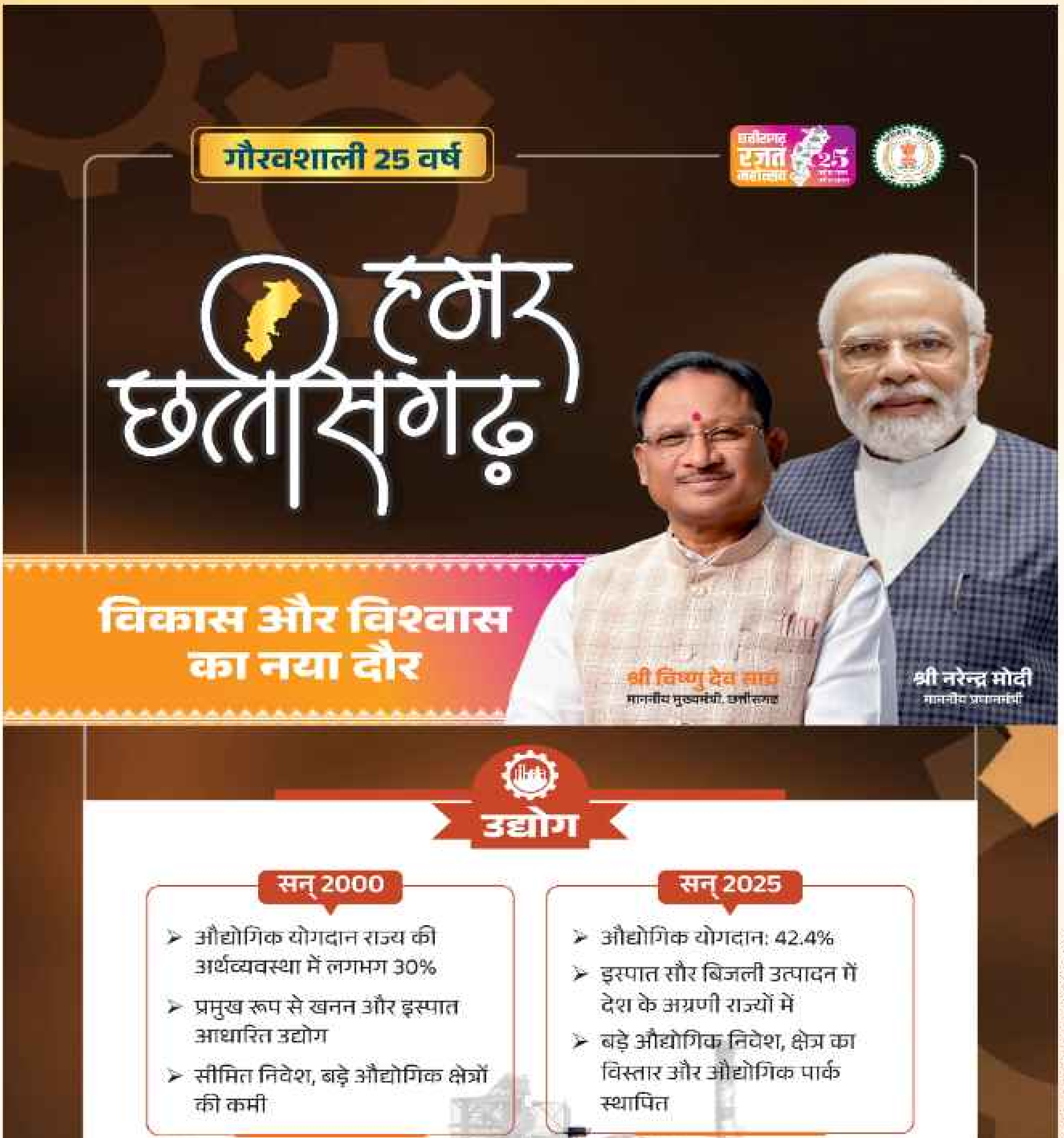

CG SAMVAD RO NO : 13438/1 DATED 11/09/2025

Lifetime Achievement Award - 2025

Manoj Chopra

Sr. Cartoonist, Punjab Kesari, J&K

Manoj Chopra, B.Com, LLB and Diploma in Journalism. Instead of joining Law as his profession, he choose to take up his hobby of humour in cartooning as his profession and joined the Northline News paper in the year 1996. After that he joined the State Times in the year 1997 and at present he is working with The Punjab Kesari, Hindi newspaper since 2008. Till today more than 22,000 cartoons have been published in several newspapers and magazines. Besides this he represented as a resource person in several cartoon workshops at various schools and organizations. He engaged himself with social organization on various social issues like Drug Abuse, Swachh Bharat Abhiyan and Fight against Corruption and preservation of heritage. He received the "Academy Award" by Academy of Art, Culture and Languages, J&K in Painting in the year 2009-2010. Due to his unswerving devotion in this field he received Jr. fellowship of HRD Ministry, Govt. of India in 2000 and Lalit Kala Scholarship New Delhi 2005. Till today he had received more that twenty five international awards including National Awards excluding other Awards. His works were exhibited in more than 30 countries.

This year at 2025, he received the Lifetime Achievement Award – 2025 of Cartoon Watch Magazine, by the Chief Minister of Chhattisgarh, Shri Vishnu Deo Sai at Hotel Courtyard By Marriot, Raipur.

Toons by Manoj Chopra

Glimpses of Cartoon Festival - 2025

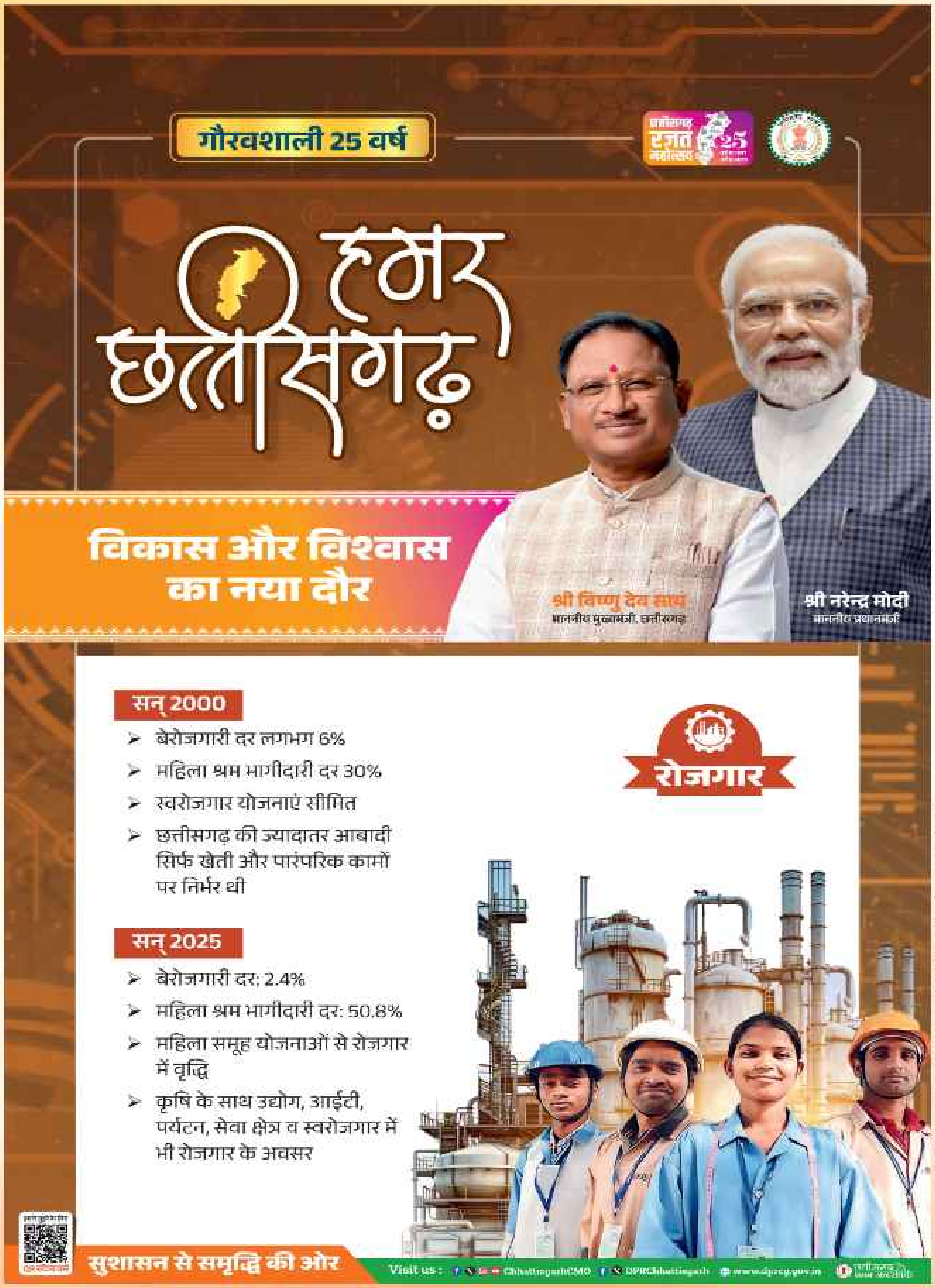

CG SAMVAD RO NO : 13438/1 DATED 11/09/2025

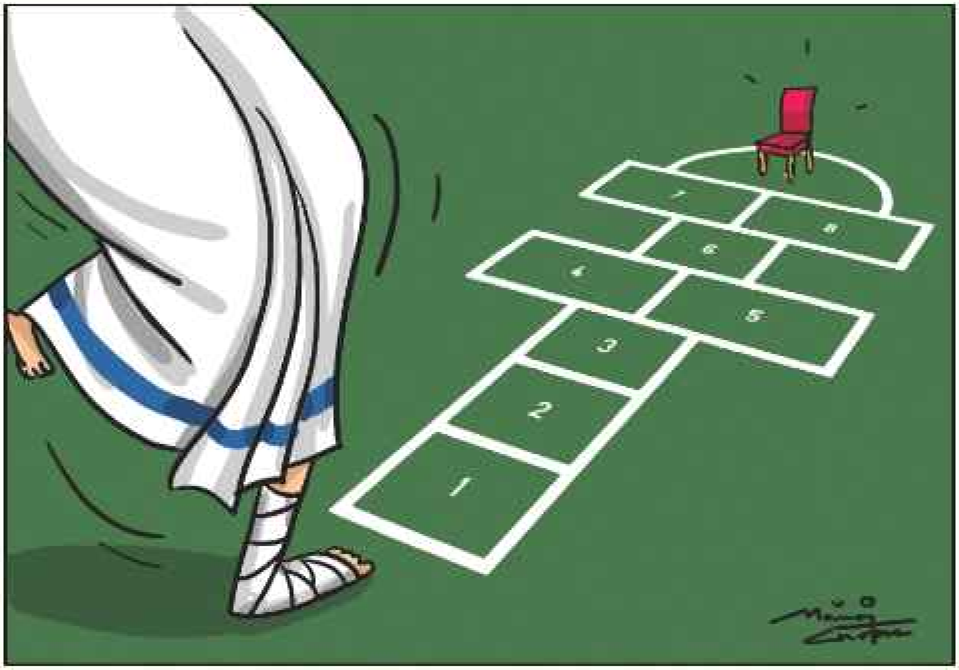

Toons by Manoj Chopra

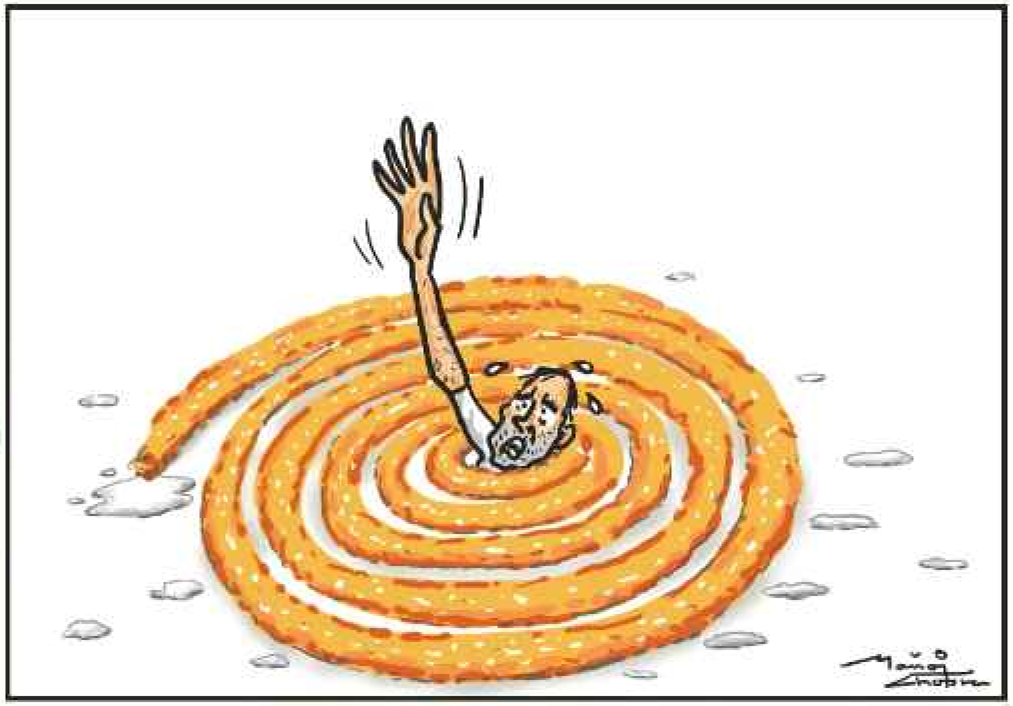

Toons by Manoj Chopra

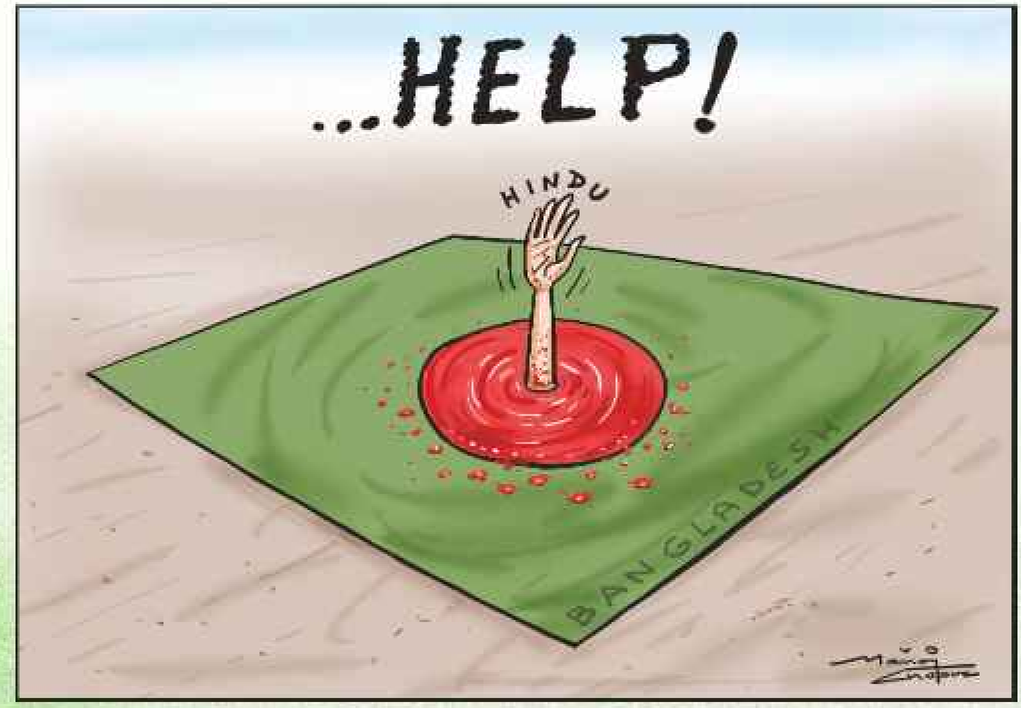

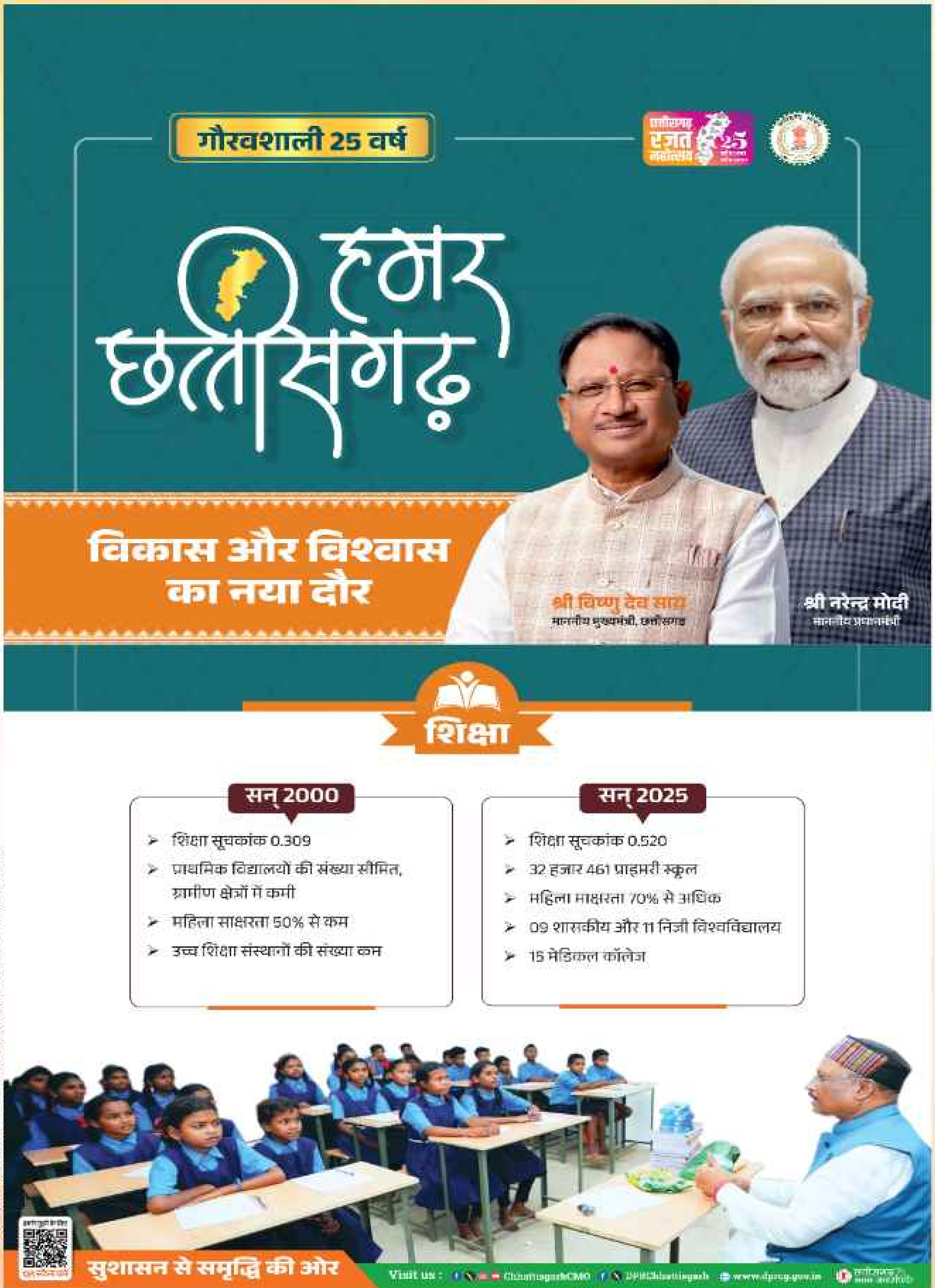

CG SAMVAD RO NO : 13438/1 DATED 11/09/2025

DR. C.V. RAMAN UNIVERSITY
Chhattisgarh, Bilaspur
AN AISECT GROUP UNIVERSITY
Approved by : PCI | AICTE | NCTE | BCI | Member of : AIU | Recognized by : UGC | A NAAC Accredited University
Helping You, Reach the Heights of Success
DR. C. V. RAMAN UNIVERSITY
Centre for Distance and Online Education (CDOE)
Programmes Offered :
BBA | MBA | B.Com | M.Com
B.A. (General) | B.Lib.I.Sc. | M.Lib.I.Sc.
M.A. (Hindi) | M.A. (English)
M.A. (Sanskrit) | M.A. (History)
ACCREDITED WITH GRADE A NAAC
THE FIRST PRIVATE UNIVERSITY IN CHHATTISGARH ACCREDITED "A" GRADE BY NAAC
दूरस्थ शिक्षा मे प्रवेश के लिए विद्यार्थी का ABC-ID & DEB-ID होना अनिवार्य है।
Faculty Offered (Regular):
Admission OPEN
ENGINEERING & TECHNOLOGY
INFORMATION TECHNOLOGY | SCIENCE
COMMERCE & MANAGEMENT
PHARMACY | ARTS | LAW | JOURNALISM
EDUCATION & PHYSICAL EDUCATION
ADMISSION HELPLINE FOR REGULAR PROGRAMMES
6261-900581, 6261-900582
ADMISSION HELPLINE FOR DISTANCE EDUCATION
9302969342, 9617772312
www.cvru.ac.in
Address: Kargi Road, Kota, Dist.- Bilaspur (C.G.),
E-Mail : info@cvru.ac.in, lsd@cvru.ac.in, admissions@cvru.ac.in

भारत के स्वतंत्रता संग्राम की सुनी अनसुनी कहानी - 9

ब्रिटिश भारत के गिरमिटिया मज़दूर (1833 –1917)

- प्रवीण शुक्ला

हम लोगों को यह सुनकर अत्यंत आश्चर्य होता है जब हम सुनते हैं कि मालदीव, मॉरीशस, फिज़ी जैसे देशों के साथ केरेबियन देश, ग्रेनाज, सेंट किट्स एवं तमाम अफ्रिकन देशों में भारतवंशीयों को इन छोटे देशों की लोकतांत्रिक सरकारों की कमान सौंपी जाती है अथवा अन्य महत्वपूर्ण पद हासिल होते हैं. परंतु हमें यह नही मालूम कि इन सफलताओं के पीछे भारतवंशीयों ने कितने तप, त्याग और बलिदान किये हैं. वहां पर वर्तमान में निवासरत, भारतवंशीयों के पूर्वजों ने कई पीढ़ियों तक औपनिवेशिक साम्राज्यवादियों की असहनीय यातनाएं सहकर, अपने जीवन त्याग कर आज भी भारतीयता को, भारतीयता के संस्कारों को हमारी परंपराओं को उन देशों में कायम रखा है. इस लेख में हम इस विषय पर ही कुछ प्रकाश डालेंगे.

सन् 1833 के पहले पूरी दुनिया में यूरोपिय औपनिवेशवाद था. यूरोप के तमाम देशों ने अमेरिका सहित पूरी दुनिया के छोटे-छोटे द्वीपों पर अपनी सामुदिक सैन्य शक्ति के बल पर कब्जा कर लिया था. और उन देशों के मौसम एवं भौगोलिक स्थितियों के अनुसार अपने-अपने देशों की कंपनियों को उन देशों में कृषि कार्यो के लिए आमंत्रित किया था. इसके अतिरिक्त उन देशों में अपने प्रशासकीय नियंत्रण को कायम रखने के लिए सड़क और भवन निर्माण भी किये जाने थे. चूंकि उस समय इन कार्यो के लिए मशीनों का अविष्कार नहीं हुआ था, तो मानव बल की आवश्यकता थी. इन आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए दास प्रथा लागू थी. बाकायदा, फ्रांस, डेनमार्क, ब्रिटेन जैसे देशों में इसके लिए कानून भी बने हुए थे. दासता कानून के प्रावधान इन मज़दूरों को बंधक बना कर रखने लिए पर्याप्त थे. बंधक मज़दूरों का जीवन बेहद कष्टप्रद होता था. इन दासता कानूनों के विरुद्ध अमेरिका एवं यूरोपीय देशों में आवाज़ उठने लगी विशेषकर इंग्लैंड में तब सन् 1834 में वैश्विक दास व्यापार प्रथा का अंत हुआ.

परंतु दास प्रथा के अंत होने से औपनिवेशित देशों में मज़दूरों की उपलब्धता नही होने से यूरोपीय देशों की तमाम व्यापारिक कंपनियों के उनके उपनिवेशों में विशेषकर कृषि कार्यो में परेशानी होने लगी. तब इन देशों की सरकारों ने मज़दूरी दासता का एक नया रुप विकसित किया जिसे 'गिरमिट' कहा गया. जिसमें श्रमिक अपने नियोजकों के साथ अनुबंध करते थे जिसकी सेवा शर्तो के तहत मज़दूरों को आवास, भोजन एवं परिवहन उपलब्ध कराया जाता था. इनकी सेवा शर्ते अत्यंत कठोर होती थी. जिसके कारण इनका जीवन गुलामों जैसा ही होता था.

भारत में उस समय अकाल, गरीबी एवं भुखमरी से निजात पाने के लिए लोग अक्सर भारतीय गिरमिटिया कानून के तहत कैरेबियाई देशों, अफ्रिकी देशों तथा अन्य ब्रिटिश उपनिवेशों में खेती मज़दूरी के लिए इन देशों में जाने के लिए तैयार हो जाते थे. प्रारंभ में इन्हें 5 वर्षो के लिए अनुबंधित किया जाता था, फिर मज़दूरों की रज़ामंदी से अवधि को बढ़ाया भी जा सकता था. इन्हें किसी ऋण की तरह बेचा भी जाता था. उनकी कीमतें पूर्व के दासों की तरह उनकी मांग और आपूर्ति के अनुसार घटती-बढ़ती रहती थी. विवाहित महिला मज़दूरों को अपने पति के साथ ही भेजा जा सकता था. एकल अथवा विधवा महिलाओं को प्रारंभ में अन्य देशों में जाने से रोक दिया गया था. परंतु बाद में उन्नीसवीं सदी के उत्तरार्ध में यह अनुमति दे दी गई थी.

1834 में दास व्यापार प्रथा के प्रतिबंधित होने के बाद ब्रिटिश हुकूमत ने भारत से लगभग 10 लाख मज़दूरों को अपने विभिन्न उपनिवेशों में भेजने की तैयारी शुरु की और वर्ष 1838 में लगभग 25,000 मज़दूरों को मॉरीशस पहुंचाया गया था. 13 जनवरी सन् 1838 को कलकत्ता पोर्ट से पहला जहाज ''व्हाईटबी'' भारतीय मज़दूरों को लेकर ब्रिटिश गयाना के लिए रवाना हुआ था और 5 मई 1838 को वहां पहुंच गया था. वहां इन्हें मुख्यतः चाय बागानों, गन्ना और कपास की खेती में मज़दूरी में लगाया गया. इसी प्रकार ब्रिटिश हुकूमत के अधीन पूर्वी और दक्षिण अफ्रीकी देशों में मुख्यतः विभिन्न रेल प्रोजेक्टस में काम करने के लिए भारत से लाखों लोगों को ले जाया गया.

भारत के मुख्यतः बंगाल, बिहार, मध्यप्रदेश, झारखंड, पांडिचेरी, उत्तरप्रदेश, तमिलनाडु आदि प्रदेशों के लोग गरीबी, भुखमरी एवं अकाल के कारण अथवा अच्छे जीवनयापन की उम्मीद में विभिन्न उपनिवेशों में मज़दूरी करने गए थे. एक अनुमान के अनुसार सन् 1910 तक ब्रिटिश भारत (जिसमें वर्तमान भारत, पाकिस्तान एवं बांग्लादेश भी शामिल है) से 35 लाख से अधिक गिरमिटिया मज़दूर दुनिया के तमाम देशों में भेजे जा चुके थे.

फरवरी सन् 1910 में भारत में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी श्री गोपाल कृष्ण गोखले ने वायसराय काउंसिल में नाटाल (वर्तमान दक्षिण अफ्रिका) को भारतीय मज़दूरों को भेजे जाने के विरोध में एक प्रस्ताव रखा था. महात्मा गांधी, लाला लाजपत राय एवं अन्य स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के विरोध के कारण भारत से अन्य ब्रिटिश उपनिवेशों को गिरमिटिया मज़दूरों को भेजने के कानून को सन् 1917 में ख़त्म कर दिया गया. परंतु पूर्व के अनुबंधों की शर्तो की पूर्ति एवं मज़दूरों की वापसी हेतु भारत से सन् 1920 में अंतिम जहाज भेजा गया था.

Toons by Manoj Chopra

CG SAMVAD RO NO : 13438/1 DATED 11/09/2025

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ स्टेट इण्डस्ट्रियल डेव्हलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड

''छत्तीसगढ़ स्टेट इण्डस्ट्रियल डेव्हलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड'' (सीएसआईडीसी) छत्तीसगढ़ शासन, वाणिज्य एवं उद्योग विभाग का एक उपक्रम है। सीएसआईडीसी द्वारा राज्य शासन के निर्देशानुसार औद्योगिक निवेश सवर्धन, औद्योगिक अधोसरचना विकास, औद्योगिक क्षेत्रों/पार्कों की स्थापना, लघु उद्योगों के विपणन में सहायक की भूमिका, कच्चामाल आपूर्ति आदि कार्य किया जाता है।

नवीन स्थापित औद्योगिक क्षेत्र/पार्क

1. औद्योगिक क्षेत्र व फूड पार्क खपरीखुर्द, जिला रायपुर
2. औद्योगिक क्षेत्र केसदा, जिला बलौदाबाजार
3. औद्योगिक क्षेत्र व फूड पार्क पांगरीखुर्द, जिला राजनांदगांव
4. औद्योगिक क्षेत्र महरुमखुर्द, जिला राजनांदगांव
5. औद्योगिक क्षेत्र व फूड पार्क हथकेरा-बिरबिदा, जिला मुंगेली
6. औद्योगिक क्षेत्र सियारपाली-महुआपाली, जिला रायगढ़
7. औद्योगिक क्षेत्र व फूड पार्क बरबसपुर, जिला सूरजपुर
8. औद्योगिक क्षेत्र व फूड पार्क रिखी, जिला सरगुजा
9. औद्योगिक क्षेत्र व फूड पार्क नारायणबहली, जिला जशपुर
10. औद्योगिक क्षेत्र अभनपुर, जिला रायपुर
11. औद्योगिक क्षेत्र सेलर, जिला बिलासपुर

स्थापित विशिष्ट औद्योगिक पार्क

1. टेक्सटाईल पार्क, नवा रायपुर
2. फार्मास्यूटिकल पार्क, नवा रायपुर
3. रेडीमेड गारमेंट पार्क, नवा रायपुर
4. प्लास्टिक पार्क, सरोरा, जिला रायपुर
5. मेटल पार्क, रावांभाठा जिला रायपुर
6. इंजीनियरिंग पार्क, हथखोज भिलाई जिला दुर्ग
7. इलेक्ट्रानिक मेन्यूफेक्चरिंग क्लस्टर, सेक्टर 22, नवा रायपुर
8. फूड पार्क, बगौद जिला धमतरी
9. रेल पार्क, जिला दुर्ग

स्थापनाधीन/प्रस्तावित औद्योगिक पार्क :-

1. इलेक्ट्रानिक मेन्यूफेक्चरिंग क्लस्टर 2.0, राजनांदगांव
2. फर्नीचर क्लस्टर, नवा रायपुर
3. जेम्स एण्ड ज्वेलरी पार्क, रायपुर
4. स्मार्ट इण्डस्ट्रियल पार्क, जांजगीर-चांपा
5. स्मार्ट इण्डस्ट्रियल पार्क, राजनांदगांव

औद्योगिक क्षेत्रों व लैण्ड बैंक जी.आई.एस. मैप

* राज्य में औद्योगिक प्रयोजन हेतु औद्योगिक क्षेत्रों व लैण्ड बैंक का जी.आई.एस. मैप तैयार कराया जाकर नवीन ऑनलाईन सुविधा प्रारंभ की गई है।

ऑनलाईन सुविधाएं

* सीएसआईडीसी द्वारा औद्योगिक क्षेत्रों/पार्कों/व्यावसायिक परिसरों में भू-खण्डों एवं स्थान का आबंटन ई-निविदा के माध्यम से किया जा रहा है।
* ई-निविदा पश्चात स्वीकृत भू-खण्डों हेतु भू-आबंटन से संबंधित राशियों (प्रीमियम, लीज़रेंट, मेंटनेंस आदि) के भुगतान तथा सभी दस्तावेज जारी किये जाने हेतु नवीन ऑनलाईन सुविधा बनाई गई है।
* इकाईयों को जल-आपूर्ति के लिये नवीन ऑनलाईन आबंटन सुविधा प्रारंभ की गई है।

सम्पर्क :-

छत्तीसगढ़ स्टेट इण्डस्ट्रियल डेव्हलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड
प्रथम तल, उद्योग भवन, तेलीबांधा, रिंग रोड-1, रायपुर 492006 (छ.ग.)
दूरभाष : 0771-6621000
आनलाईन प्रणाली वेबसाईट : csidc.cgstate.gov.in, csidc.in ई-मेल :- csidc.cg@gov.in, csidc_raipur@yahoo.com

https://csidconline.cgstate.gov.in www.csidc.in

CG SAMVAD RO NO : 13392/1 DATED 20/08/2025

कार्टून केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि समाज का दर्पण भी है - मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय राजधानी रायपुर के एक निजी होटल में कार्टून वॉच पत्रिका द्वारा आयोजित कार्टून फेस्टिवल-2025 में शामिल हुए। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि

कार्टून केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि समाज का दर्पण भी है, जो हास्य और व्यंग्य के माध्यम से गंभीर मुद्दों को सरलता से प्रस्तुत करता है। कार्टून मनोरंजन के साथ ही समाज को जागरुक करने और सोचने के लिए प्रेरित करने वाली कला है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने जम्मू-कश्मीर के विख्यात कार्टूनिस्ट श्री मनोज चोपड़ा को कार्टून वॉच पत्रिका का लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड दान किया। उन्होंने कार्टून फेस्टिवल में हिस्सा ले रहे कार्टूनिस्टों का उत्साहवर्धन करते हुए स्वयं भी कार्टून बनाया। कार्टून वॉच फेस्टिवल को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यह गर्व की बात है कि कार्टून वॉच पत्रिका ने 29 वर्षों का सफल सफर तय कर लिया है और अब अपने 30वें वर्ष में प्रवेश कर रही है। मैं कार्टून वॉच की पूरी टीम को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देता हूँ कि वे आगे भी कार्टून की इस विधा में उत्कृष्ट कार्य करते रहें।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यदि अगले वर्ष कार्टून वॉच फेस्टिवल बस्तर में आयोजित हो तो यह अत्यंत हर्ष का विषय होगा। बस्तर में अब शांति स्थापित हो रही है और जल्द ही यह क्षेत्र पूर्णतः नक्सल मुक्त होगा। उन्होंने कहा कि कार्टून एक बेहद सशक्त माध्यम है। कार्टून वॉच की टीम सरकार की योजनाओं को भी कार्टून के जरिए आमजन तक पहुँचाए। कार्टून वॉच का यह प्रयास कार्टूनिस्टों को मंच प्रदान करता है, जो उनकी रचनात्मकता को और निखारने में सहायक है। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि कार्टून की विधा मीडिया और साहित्य का अद्भुत संगम है। यह विधा चुटीलेपन के साथ गागर में सागर भरने का सामर्थ्य रखती है। मैं स्वयं जब भी समाचार पत्र पढ़ता हूँ, कार्टून अवश्य देखता हूँ। श्री त्रयम्बक शर्मा ने कार्टून की इस विधा को जीवंत बनाए रखने में उल्लेखनीय योगदान दिया है। विधायक श्री अनुज शर्मा ने कहा कि कार्टून वॉच देश की एकमात्र कार्टून पत्रिका है। 30 वर्षों की यह यात्रा इसके संपादक श्री त्रयम्बक शर्मा के जज़्बे को दर्शाती है। उनका यह सफर सभी कलाकारों के लिए प्रेरणादायी है। उन्होंने अपने कार्य से यह साबित किया है कि किसी भी क्षेत्र में पूरे समर्पण और निष्ठा से कार्य करने पर सफलता अवश्य प्राप्त की जा सकती है।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष श्री संजय श्रीवास्तव, छत्तीसगढ़ स्टेट इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड के अध्यक्ष श्री राजीव अग्रवाल, छत्तीसगढ़ साहित्य अकादमी के अध्यक्ष श्री शशांक शर्मा, छ.ग. बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष वर्णिका शर्मा,

मुख्यमंत्री के प्रेस अधिकारी श्री आलोक सिंह, हरिभूमि के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी, सीएम के मीडिया सलाहकार श्री पंकज झा,कार्टून वॉच के श्री त्रयम्बक शर्मा सहित अनेक कार्टूनिस्ट और साहित्य-कला जगत के गणमान्यजन उपस्थित थे।

CG SAMVAD RO NO : 13438/1 DATED 11/09/2025

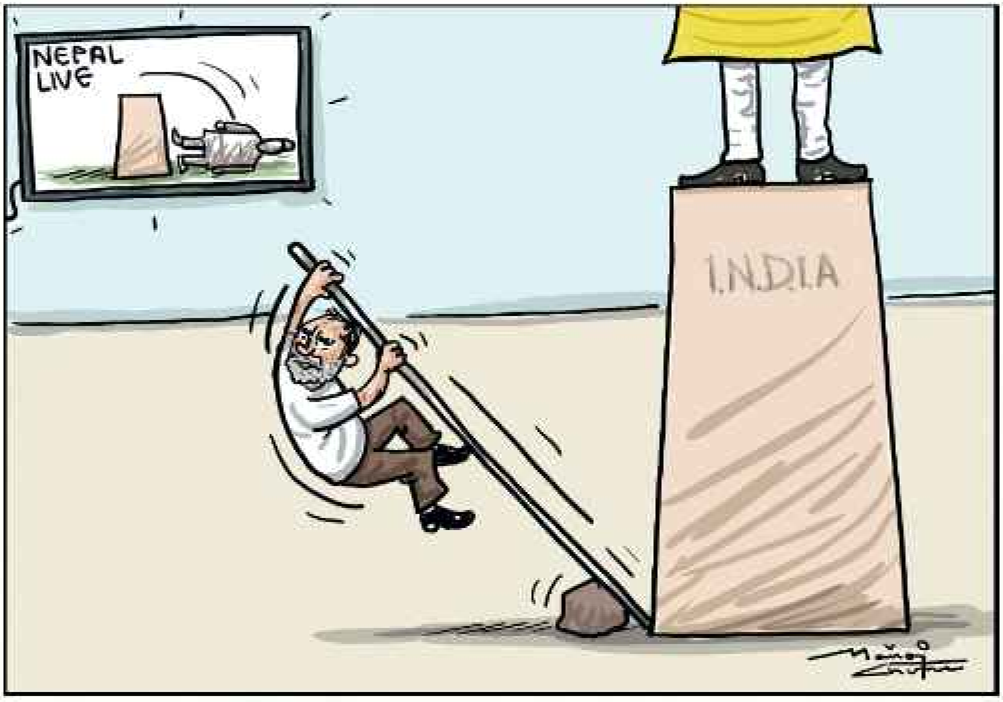

Toons by Manoj Chopra

Toons by Manoj Chopra

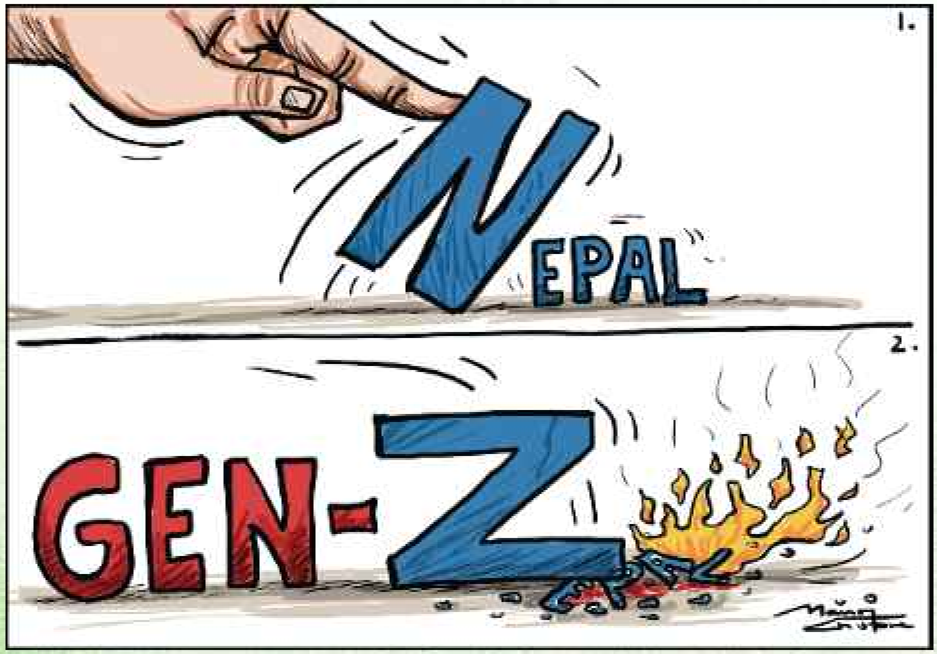

CG SAMVAD RO NO : 13438/1 DATED 11/09/2025

CG SAMVAD RO NO : 13438/1 DATED 11/09/2025

Toons by Vinay Chanekar...

Toons by Mika..

CG SAMVAD RO NO : 13438/1 DATED 11/09/2025

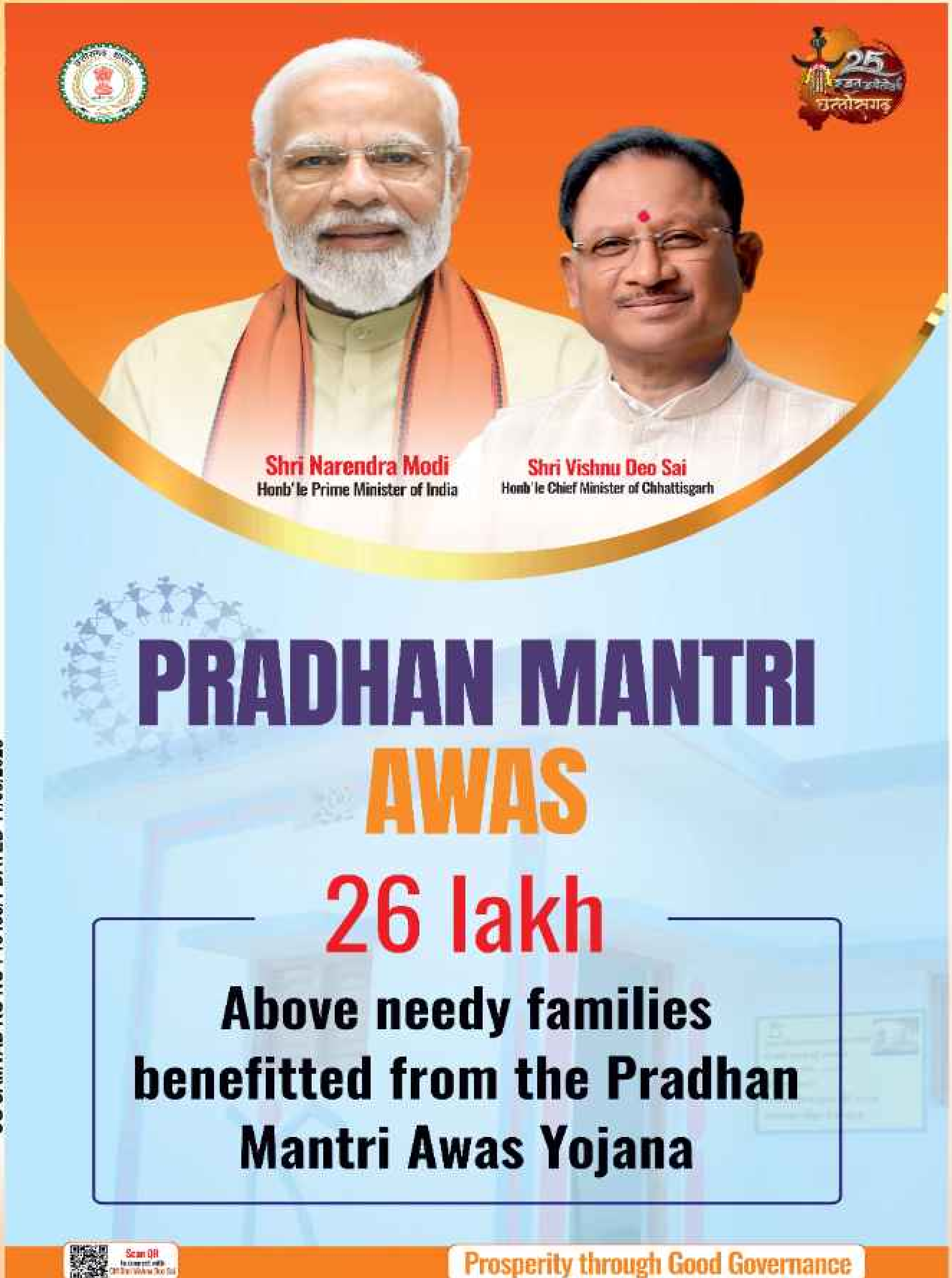

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव 25

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

श्री विष्णु देव साय
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

हमर छत्तीसगढ़

25 साल की गौरवगाथा
विकास और विश्वास का नया अध्याय

शांति और समृद्धि के साथ...बदलाव का नया दौर

छत्तीसगढ़ में विकास की नई किरण फैल रही है और यह राज्य अब शांति और समृद्धि का गढ़ बनता जा रहा है। 25 वर्षों की इस यात्रा में छत्तीसगढ़ ने विभिन्न क्षेत्रों में विकास के नए आयाम गढ़े हैं, फिर वह क्षेत्र शिक्षा का हो, स्वास्थ्य का या अधोसंरचना, सभी क्षेत्रों में छत्तीसगढ़ बेजोड़ साबित हुआ है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व वाली सरकार ने नई ऊर्जा के साथ इस विकास को एक नई रफ्तार दी है।

तब | **अब**

कृषि

(सन् 2000)
- 13.28 लाख हेक्टेयर में सिंचाई क्षमता
- सिंचाई के सीमित संसाधन, वर्षा पर निर्भरता ज्यादा, तकनीक की कमी
- धान उत्पादन औसतन कम
- कृषि कार्य हेतु बैल और पारंपरिक औजारों पर निर्भरता
- धान खरीदी 1.7 लाख मीट्रिक टन

(सन् 2025)
- 21.76 लाख हेक्टेयर सिंचाई क्षमता का विस्तार
- सिंचाई नेटवर्क और आधुनिक खेती समेत उत्पादन तकनीक को बढ़ावा
- धान उत्पादन में देश के शीर्ष राज्यों में
- अत्याधुनिक कृषि उपकरणों से काम
- धान खरीदी 145.25 लाख मीट्रिक टन

उद्योग

(सन् 2000)
- औद्योगिक योगदान राज्य की अर्थव्यवस्था में लगभग 30%
- प्रमुख रूप से खनन और इस्पात आधारित उद्योग
- सीमित निवेश व बड़े औद्योगिक क्षेत्र कम

(सन् 2025)
- औद्योगिक योगदान 42.4%
- इस्पात, सीमेंट, बिजली उत्पादन में देश के अग्रणी राज्यों में
- नए औद्योगिक निवेश क्षेत्र का विस्तार और औद्योगिक पार्क स्थापित

स्वास्थ्य

(सन् 2000)
- स्वास्थ्य सूचकांक 0.585
- मातृ मृत्यु दर 365 प्रति एक लाख जीवित जन्म पर
- शिशु मृत्यु दर प्रति हजार जीवित जन्म पर 77
- ग्रामीण स्वास्थ्य ढांचा कमजोर

(सन् 2025)
- स्वास्थ्य सूचकांक: 0.672
- मातृ मृत्यु दर 137 प्रति एक लाख जीवित जन्म पर
- शिशु मृत्यु दर प्रति हजार जीवित जन्म पर 38
- शहरों से लेकर गांवों तक स्वास्थ्य सेवा में वृद्धि, प्रदेश में 6239 स्वास्थ्य संस्थाएं

शिक्षा

(सन् 2000)
- शिक्षा सूचकांक : 0.249
- प्राथमिक विद्यालयों की संख्या सीमित ग्रामीण क्षेत्र में कमी
- महिला साक्षरता 50% से कम
- उच्च शिक्षा संस्थानों की संख्या कम

(सन् 2025)
- शिक्षा सूचकांक: 0.520
- 32 हजार 461 प्राइमरी स्कूल
- महिला साक्षरता 70% से अधिक
- 09 शासकीय और 17 निजी विवि 15 मेडिकल कॉलेज

रोजगार

(सन् 2000)
- बेरोजगारी दर लगभग 6%
- महिला श्रम भागीदारी दर 30%
- स्वरोजगार योजनाएं सीमित
- छत्तीसगढ़ की ज्यादातर आबादी सिर्फ खेती और पारंपरिक कामों पर निर्भर थी

(सन् 2025)
- बेरोजगारी दर 2.4%
- महिला श्रम भागीदारी दर 59.8%
- महिला समूह योजनाओं से रोजगार में वृद्धि
- कृषि के साथ उद्योग, आईटी, पर्यटन, सेवा क्षेत्र व स्वरोजगार में भी आजीविका के अवसर

25 साल की उपलब्धियां

- [illegible] IIM, IIT, AIIMS, NLU, IIIT, NIT जैसे संस्थान
- दुनिया में रायपुर का नाम... [illegible] क्रिकेट स्टेडियम [illegible] सबसे बड़ा स्टेडियम
- 21वीं सदी का पहला सुनियोजित शहर नवा रायपुर, यहां विश्व स्तरीय सुविधाएं
- सड़कों का विस्तार... 33489 किमी से बढ़कर 1.29 लाख किमी तक पहुंचे
- उच्च शिक्षा को बढ़ावा... विश्वविद्यालयों की संख्या 4 से बढ़कर 26 तक पहुंची
- नवा रायपुर में पहली सेमीकंडक्टर इकाई बन रही, यहां उन्नत माइक्रो चिप बनेगी
- स्कूल शिक्षा में सुधार... विद्यालयों की संख्या 34080 से बढ़कर 56615 तक पहुंची
- कॉलेज की संख्या 116 से 656 तक हुई, व्यावसायिक शिक्षा के लिए 38 कॉलेज खुले
- उड़ान... रायपुर में टर्मिनल, बिलासपुर, जगदलपुर, अंबिकापुर में भी एयरपोर्ट
- स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार... मेडिकल कॉलेज की संख्या एक से बढ़कर 15 हुई
- [illegible] क्षेत्रों में विकास... सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार में [illegible] से सुधार
- विकास दर... आर्थिक वृद्धि दर 4% थी, अब जीएसडीपी वृद्धि दर 11.4% तक पहुंची
- [illegible] का विस्तार... 7.5% [illegible]
- [illegible]... [illegible] 20.73% [illegible]
- बिजली की चमक... [illegible], यहां 30000 मेगावाट उत्पादन
- [illegible]... [illegible] 19% हिस्सा रहा, उत्पादन में 16.64% हिस्सा
- रेल व सड़क कनेक्टिविटी... [illegible] रेल परियोजनाएं और नए पुल बने
- महिला सशक्तिकरण... पंचायतों में 50% [illegible] महिलाओं के लिए आरक्षित
- नवा रायपुर में इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर, स्मार्ट सिटी की सुविधाएं
- महतारी वंदन... विवाहितों को साल में 12,000 रुपए की मदद दी जा रही है
- उद्योग निवेश में वृद्धि एल्युमिनियम, इस्पात, सीमेंट व [illegible] में निवेश
- पूर्ण टीकाकरण में उछाल... 96.34% जो देश के शीर्ष राज्यों में शुमार
- धान खरीदी में रिकॉर्ड... कृषक उन्नति योजना के माध्यम से किसानों को उचित मूल्य
- पर्यटन विकास... चित्रकोट, तीरथगढ़, सिरपुर, मैनपाट जैसे स्थलों को पर्यटन मानचित्र पर नई पहचान

CG SAMVAD RO NO : 13438/1 DATED 11/09/2025

Toons by Kamal...

काश मैं अजनबी ही रहती उसके लिए...

डॉ. मंजरी शुक्ला

सोचती हूँ कितना हिसाब रखता है वो
कोई गलती मेरी कभी नहीं भूला है वो

वो अनजाने में कहीं छूट गया पीछे
एक धुंधली परछाई साथ चलती रही

उसे क्या मालूम कौन चाहता है उसे
ये बात समझने में मुझे भी ज़माने लगे

तकदीर में होगा तो वो मिलेगा ज़रूर
पर मेरी किस्मत भी वो साथ ले गया

नहीं चाहता हूँ अब और भटकना
तेरी दहलीज़ ही अब ठिकाना है मेरा

कितना खुश रहता है वो गैरों के साथ
काश मैं अजनबी ही रहती उसके लिए

ज़िंदगी के रंग चले गए उसके पीछे
जिसका चेहरा खतों में दिखाई देता है

वो शिकायतें गिनाता रहा मेरे मिलने पे
मैं फिर कुछ आँसू गिराकर लौट आया

चाँद नहीं आता है अब मेरी छत पर
वो भी गैरों से मिल गया है आजकल

सुबह होते ही उसके ख्वाब चले जाते हैं
इसलिए रातों से ही मोहब्बत है मुझे

दूर जाने से उसके क्या बदल गया
ना जज़्बात ना यादें और ना तकदीर मेरी

उसकी हँसी बहुत कुछ कहती है
उसकी आँखें भी बहुत रोई होंगी

तेरा कमरा अब बहुत दूर से देखता हूँ
दरवाज़े पर ही तेरा उभर आता है

वो सोचता था ज़माना चाहता है उसे
मेरी दूरी ने ये भरम तोड़ दिया उसका

बदलते बस्तर की नई तस्वीर

327 गांवों में
नियद नेल्ला नार योजना से तीव्र विकास

350 स्कूलों
में दोबारा शुरू हुई पढ़ाई

278 किलोमीटर
नई सड़कों का निर्माण

11 वृहद
पुलों का निर्माण

140 किलोमीटर
नई रेल लाइन विस्तार की स्वीकृति

1000 नए
मोबाइल टावरों की स्थापना

5,500 से
अधिक घरों का विद्युतीकरण

40,000 से
अधिक युवाओं को मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना अंतर्गत रोजगार अवसर

3202 नए
बस्तर फाइटर्स के पदों का सृजन

5,500 प्रति
मानक बोरा की दर से तेंदूपत्ता का भुगतान

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

सुशासन से समृद्धि की ओर

Visit us : ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in

CG SAMVAD RO NO : 13438/1 DATED 11/09/2025

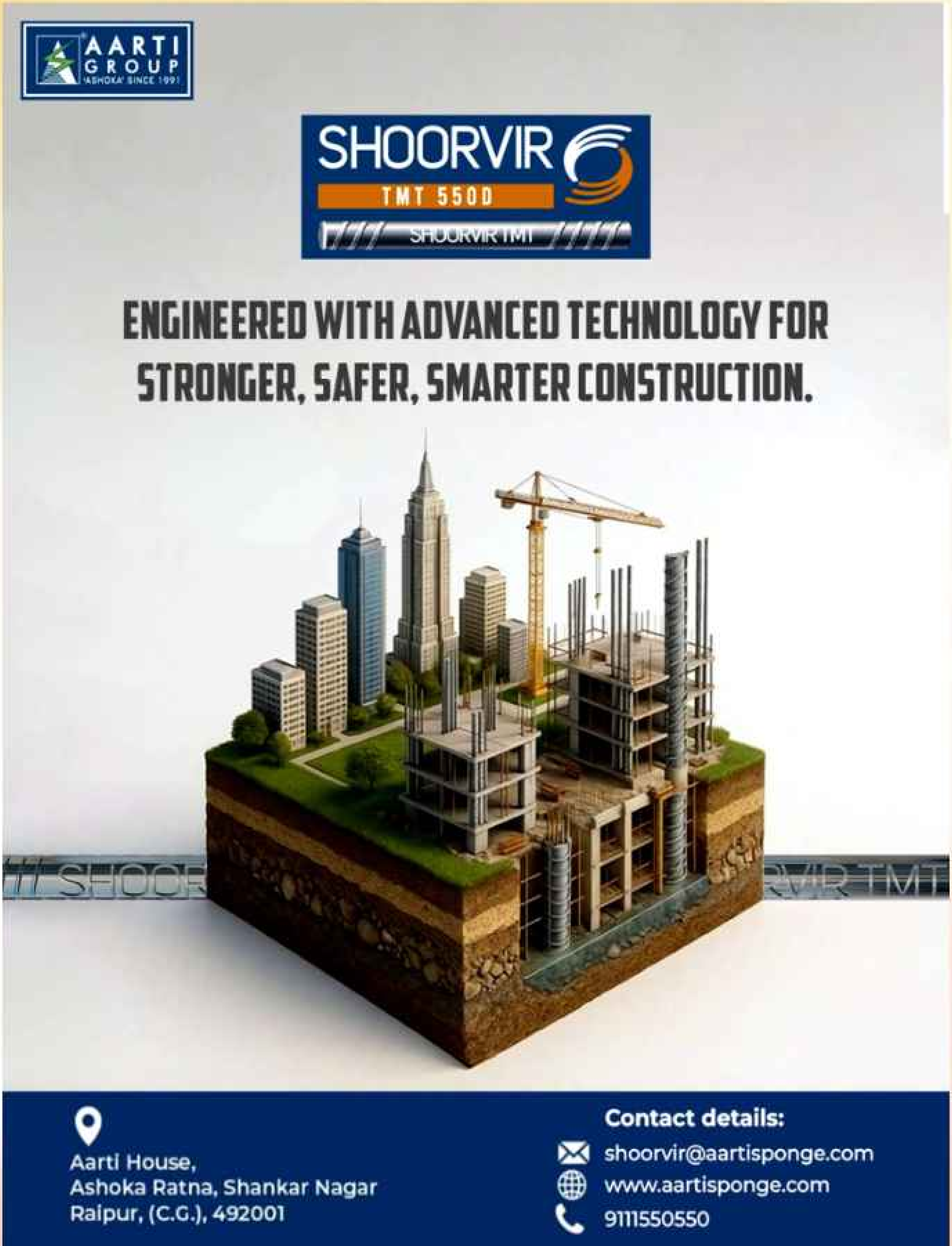
AARTI GROUP
'ASHOKA' SINCE 1991
SHOORVIR
TMT 550D
SHOORVIR TMT
ENGINEERED WITH ADVANCED TECHNOLOGY FOR
STRONGER, SAFER, SMARTER CONSTRUCTION.
Aarti House,
Ashoka Ratna, Shankar Nagar
Raipur, (C.G.), 492001
Contact details:
shoorvir@aartisponge.com
www.aartisponge.com
9111550550

Toons by Kirtish...

Toons by Subhani...

छत्तीसगढ़ का

रजत जयंती वर्ष

बदला दौर, आई चेहरों पर खुशहाली की झलक

सरकार की दृढ़ इच्छा शक्ति से हो रहा सकारात्मक सामाजिक- आर्थिक बदलाव

छ[illegible]

25

सतत् विकास की राह

शिक्षा

सन् 2025

- शिक्षा सूचकांक- 0.520
- 32 हजार 462 सरकारी स्कूल
- महिला साक्षरता 70% से अधिक
- [illegible] और 17 निजी विवि
- 15 मेडिकल कॉलेज

सन् 2000

- शिक्षा सूचकांक- 0.240
- प्राथमिक विद्यालयों की संख्या सीमित, ग्रामीण क्षेत्रों में कमी
- महिला साक्षरता 50% से कम
- उच्च शिक्षा संस्थानों की संख्या कम

स्वास्थ्य

सन् 2025

- स्वास्थ्य सूचकांक- 0.872
- शिशु मृत्यु दर प्रति हजार जीवित जन्म पर 38

सन् 2000

- स्वास्थ्य सूचकांक 0.585
- शिशु मृत्यु दर प्रति हजार जीवित जन्म पर 72
- ग्रामीण स्वास्थ्य ढांचा कमजोर

उद्योग

सन् 2025

- औद्योगिक योगदान 42.8%
- इस्पात, सीमेंट, बिजली उत्पादन में देश के अग्रणी राज्यों में
- नये औद्योगिक निवेश क्षेत्र का विस्तार और औद्योगिक पार्क स्थापित

सन् 2000

- औद्योगिक योगदान राज्य की अर्थव्यवस्था में लगभग 30%
- मुख्य रूप से खनन और इस्पात आधारित उद्योग
- सीमित निवेश व कम औद्योगिक क्षेत्रों की कमी

रोजगार

सन् 2025

- बेरोजगारी दर 2.4%
- महिला श्रम भागीदारी दर 39.5%
- [illegible]
- [illegible]

सन् 2000

- बेरोजगारी दर लगभग 8%
- महिला श्रम भागीदारी दर 30%
- [illegible]
- छत्तीसगढ़ की अधिकतर आबादी निजी क्षेत्रों और पारंपरिक कार्यों पर निर्भर थी

कृषि

सन् 2025

- 21.76 लाख हेक्टेयर सिंचाई क्षमता का विस्तार
- सिंचाई नेटवर्क और आधुनिक खेती तकनीक उपयोग तकनीक की बढ़त
- धान उत्पादन में देश के शीर्ष राज्यों में

सन् 2000

- 13.28 लाख हेक्टेयर की सिंचाई क्षमता
- सिंचाई के सीमित संसाधन, वर्षा पर निर्भरता अधिक, तकनीक की कमी
- कृषि कार्य हेतु बैल और पारंपरिक औजारों पर निर्भरता

25 वर्षों की विकास यात्रा

[illegible]

आर्थिक क्षेत्र में प्रगति

[illegible]

कृषि और ग्रामीण विकास

[illegible]

शिक्षा और स्वास्थ्य में सुधार

[illegible]

सड़क और बुनियादी ढांचे का विकास

[illegible]

राज्य का बजट आकार

- 2001-02- 5089 करोड़
- 2025-26- 1,65,000 करोड़

राज्य सकल घरेलू उत्पाद

- 2001-02- 25,[illegible] करोड़
- 2025-26- 6,35,918 करोड़ (अनुमानित)

बेरोजगारी दर

- 2017-18- 3.3%
- 2025-26- 2.5%

शासकीय विद्यालय

- 2001-02- 39050
- 2024-25- 56615

शासकीय विद्यालयों में शिक्षकों की संख्या

- 2001-02- 21000
- 2024-25- 278605

शासकीय महाविद्यालय

- 2001-02- 116
- 2025-26- 335

घरेलू विद्युतीकरण

- 2001-02- 78 %
- 2025-26- 100 %

विश्वविद्यालय

- 2000 में 4
- 2025 में 26

जिला अस्पताल

- 2001-02- 6
- 2025-26- 30

राष्ट्रीय राजमार्ग

- 2001-02- 1810 किलोमीटर
- 2022-23- 3620.450 किलोमीटर

स्टेट हाईवे

- 2001-02- 2078 किलोमीटर
- 2025-26- 4250 किलोमीटर

ग्रामीण सड़क

- 2001-02- 28303 किलोमीटर
- 2022-23- 38036 किलोमीटर

सामाजिक- आर्थिक बदलाव लाने वाली योजनाएं

महतारी वंदन योजना

पात्र विवाहित महिलाओं को प्रतिमाह ₹1000 की आर्थिक सहायता

तेंदूपत्ता संग्राहक पारिश्रमिक वृद्धि

तेंदूपत्ता संग्राहकों का संग्रहण पारिश्रमिक 4000 से बढ़ाकर 5500 प्रति मानक बोरा

[illegible] योजना

तेंदूपत्ता संग्राहकों को चरण पादुका का वितरण

नियद नेल्ला नार योजना

[illegible]

सौर सुजला योजना

अनुसूचित जाति और जनजाति वर्ग के किसानों को सिंचाई के लिए सोलर पंप की सहायता

[illegible]

[illegible]

कृषक उन्नति योजना

किसानों को धान उत्पादन के लिए [illegible]

नक्सल उन्मूलन कार्यक्रम

[illegible]

CG SAMVAD RO NO : 13214/6 DATED 01/09/2025

RNI NO. 70235/96 CARTOON WATCH September - 2025 Postal Regd. No. C.G./Durg/17/2024-26 D.O.P. 24.09.2025

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव 25

नई ऊर्जा और तेजी से विकास की नई परिभाषा गढ़ता

हमर छत्तीसगढ़ युवा छत्तीसगढ़

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

श्री विष्णु देव साय
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

सरकार की दृढ़ इच्छा शक्ति से आ रहा सकारात्मक सामाजिक-आर्थिक बदलाव

[illegible]

सामाजिक सशक्तिकरण

[illegible]

सड़क और बुनियादी ढांचे का विकास

[illegible]

छत्तीसगढ़ 1 नवंबर 2000 को मध्यप्रदेश से अलग होकर एक नया राज्य बना। जनजातीय बहुल यह प्रदेश प्राकृतिक संसाधनों, खनिजों, सांस्कृतिक विविधता और कृषि पर आधारित अर्थव्यवस्था के लिए जाना जाता है। अपने गठन से छत्तीसगढ़ ने विकास की एक लंबी और प्रेरणादायक यात्रा तय की है। यह यात्रा राज्य की आत्मनिर्भरता, समावेशी विकास और सामाजिक न्याय की दिशा में किए गए प्रयासों का सजीव प्रमाण है। छत्तीसगढ़ में डबल इंजन की सरकार के सतत प्रयास व विकासशील योजनाओं का त्वरित क्रियान्वयन से प्रदेश बहुमुखी विकास की ओर अग्रसर है। विकास की गति निरंतर चलती रहे, इसके लिए विष्णु देव साय की सरकार निरंतर प्रयत्नशील है व गरीब, किसान, महिलाओं एवं युवाओं के उन्नति के लिए प्रतिबद्ध है।

राज्य की साक्षरता दर		
तब	2000-2001	67.7
अब	2025-2026	75.8
शासकीय विद्यालयों की संख्या		
तब	2000-2001	37,967
अब	2025-2026	48,548
राज्य का बजट आकार		
तब	2001-2002	3,999 करोड़
अब	2025-2026	1,65,000 करोड़
राज्य सकल घरेलू उत्पाद		
तब	2001-2002	25,845 करोड़
अब	2025-2026	6,39,918 करोड़ (अनुमानित)
बेरोजगारी दर		
तब	2017-2018	3.5%
अब	2025-2026	2.5%
शासकीय महाविद्यालय		
तब	2001-2002	116
अब	2025-2026	335
विश्वविद्यालय		
तब	2000	4
अब	2025	26
जिला अस्पताल		
तब	2001-2002	6
अब	2025-2026	30
घरेलू विद्युतीकरण		
तब	2001-2002	18%
अब	2025-2026	100%
राष्ट्रीय राजमार्ग		
तब	2001-2002	1827 किलोमीटर
अब	2022-2023	3620 किलोमीटर
स्टेट हाईवे		
तब	2001-02	2074 किलोमीटर
अब	2025-26	4310 किलोमीटर
ग्रामीण सड़क		
तब	2001-02	28893 किलोमीटर
अब	2022-23	160116 किलोमीटर

आर्थिक क्षेत्र में प्रगति

[illegible]

कृषि और ग्रामीण विकास

[illegible]

शिक्षा और स्वास्थ्य में सुधार

[illegible]

सामाजिक और सांस्कृतिक विकास

[illegible]

CG SAMVAD RO NO : 13214/6 DATED 01/09/2025

IF UNDELIVERED, PLEASE RETURN TO - CARTOON WATCH, Above Passport Office, Pt. DDU Nagar, Raipur C.G.